मोबाइल : 9314618091

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, रूपनगढ

[illegible]

[illegible] अजमेर-305814

E-Mail Id: - svmmcollege.roopangarh@gmail.com

SVMM
Roopangarh

www.svmmcollege.in

Annual Plan of Curriculum

प्राचार्य
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय
रूपनगढ़ (अजमेर) राज.

Swami Vivekanand Mahila Mahavidhyalaya, Roopangarh

Rai Ka Bagh, Parbatsar Road, Roopangarh, Ajmer-305814

स्नातक प्रथम वर्ष (2022-23)

वार्षिक योजना

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र प्राचीन काव्य

Unit (ईकाई)	Teaching Description (शिक्षण बिन्दु)	Learning objective (शिक्षण उद्देश्य)	Teaching Method (शिक्षण विधि)	Reference books (सन्दर्भ पुस्तकें)
1. ढोला मारू रा दूहा	1. हिन्दी साहित्य का काल विभाजन परिचय।	हिन्दी साहित्य के काल विभाजन की जानकारी देना।	व्याख्यान विधि	रामसिंह
	2. आदिकाल का परिचय, प्रवृत्तियाँ।	आदिकाल की जानकारी बच्चों तक पहुचाना	व्याख्यान विधि	सूर्य करण पारीक
	3. ढोला मारू रा दूहा लोककाव्य का परिचय।	ढोला व मारू के प्रेम लोककाव्य की जानकारी देना।	वचन विधि	नरोत्तम दास स्वामी
	4. नरबर देस सुहावण्उ दूहे से... .... लोक कहानी में प्रेम के दोहो की व्याख्या।	लोककाव्य की व्याख्याओं को लय, गति, भाव से बच्चों तक पहुचाना।	रसास्वादन विधि	नगरी प्रचारिणी सभा वाराणसी
	5.ढोला मारू रा दूहा पाठ मे नरबर देस सुहावण्उ दूहे से........ .... लोक कहानी में प्रेम के दोहो की व्याख्या।	लोककाव्य की व्याख्याओं को लय, गति, भाव से बच्चों तक पहुचाना	रसास्वादन विधि	रामसिंह, सूर्य करण पारीक, नरोत्तम दास स्वामी
	6. ढोला मारू रा दूहा पाठ में दोहो की व्याख्या	लोककाव्य की व्याख्याओं को लय, गति, भाव से बच्चों तक पहुचाना	रसास्वादन विधि	रामसिंह, सूर्य करण पारीक, नरोत्तम दास स्वामी
	7. ढोला मारू रा दूहा पाठ में दोहो की व्याख्या बालकों से करनी चाहिए।	लोककाव्य की व्याख्याओं को लय, गति, भाव से बच्चों तक पहुचाना	व्याख्यान विधि रसास्वादन विधि	रामसिंह, सूर्य करण पारीक, नरोत्तम दास स्वामी
		मूल्यांकन		

प्राचार्य

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय

रूपनगढ़ (अजमेर) राज.

Unit (ईकाई)	Teaching Description (शिक्षण बिन्दु)	Learning objective (शिक्षण उद्देश्य)	Teaching Method (शिक्षण विधि)	Reference books (सन्दर्भ पुस्तकें)
2. कबीर	1. कबीर के दोहों का पद्य रूपान्तरण	1. बालिकाओं को दोहों का अर्थ समझाकर भाव ग्रहण करवाना।	2. व्याख्यान विधि 3. प्रश्नोत्तर विधि	कबीर ग्रन्थावली श्याम सुन्दर दास नागरी प्रचारिणी सभा काशी
	2. गरू देव की अंक	1. बालिकाओं को दोहों का अर्थ समझाकर भाव ग्रहण करवाना।	चित्रात्मक विधि	कबीर ग्रन्थावली श्याम सुन्दर दास नागरी प्रचारिणी सभा काशी
	3. मन को अंग	1. बालिकाओं को दोहों का अर्थ समझाकर भाव ग्रहण करवाना।	व्याख्यान विधि अर्थग्रहण विधि	कबीर ग्रन्थावली श्याम सुन्दर दास नागरी प्रचारिणी सभा काशी
	4. विरह को अंग	1. बालिकाओं को दोहों का अर्थ समझाकर भाव ग्रहण करवाना।	व्याख्यान विधि	कबीर ग्रन्थावली श्याम सुन्दर दास नागरी प्रचारिणी सभा काशी
	5.माया को अंग	1. बालिकाओं को दोहों का अर्थ समझाकर भाव ग्रहण करवाना।	व्याख्यान विधि	कबीर ग्रन्थावली श्याम सुन्दर दास नागरी प्रचारिणी सभा काशी
	6. चितावणी को अंग	1. बालिकाओं को दोहों का अर्थ समझाकर भाव ग्रहण करवाना।	रसास्वादन विधि व्याख्यान विधि	कबीर ग्रन्थावली
		मूल्यांकन		

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय ● (अजमेर) ● रूपनगढ़

प्राचार्य
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय
रूपनगढ़ (अजमेर) राज.

Unit (ईकाई)	Teaching Description (शिक्षण बिन्दु)	Learning objective (शिक्षण उद्येश्य)	Teaching Method (शिक्षण विधि)	Reference books (सन्दर्भ पुस्तके)
3. संतवाणी	1. नामदेव का परिचय	1. बालिकाओं को नामदेव का जीवन परिचय दिया तथा उनके काव्य का परिचय दिया।	व्याख्यान विधि	संत नामदेव प्रकाशक राधास्वामी सत्संग
	2. संतवाणी	1. बालिकाओं को नामदेव का जीवन परिचय दिया तथा उनके काव्य का परिचय दिया।	व्याख्यान विधि	संत नामदेव प्रकाशक राधास्वामी सत्संग
	3. संतवाणी के पद्य	1. ईश्वर के नाम की महिमा का भाव बच्चों तक पहचाना।	रसास्वादन विधि	संत नामदेव प्रकाशक राधास्वामी सत्संग
	4. संतवाणी के पद्य	1. ईश्वर के नाम की महिमा का भाव बच्चों तक पहचाना।	रसास्वादन विधि	संत नामदेव प्रकाशक राधास्वामी सत्संग
	5. संतवाणी के पद्य	2. नामदेव की प्रेरणा का भाव बच्चों तक पहुचाना।	प्रश्नोत्तर विधि	संत नामदेव प्रकाशक राधास्वामी सत्संग
		मूल्यांकन		

प्राचार्य
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय
रुपनगढ़ (अजमेर) राज.

Unit (ईकाई)	Teaching Description (शिक्षण बिन्दु)	Learning objective (शिक्षण उद्येश्य)	Teaching Method (शिक्षण विधि)	Reference books (सन्दर्भ पुस्तकें)
4. रैदास	1. रैदास का परिचय	1. बालिकाओं को रैदास का जीवन परिचय देना	व्याख्यान विधि	योगेन्द्र सिंह प्रकाशक
	2. रैदास का काव्य परिचय	2.रैदास का काव्य परिचय दिया।	व्याख्यान विधि	योगेन्द्र सिंह प्रकाशक
	अविगत नाथ............ .. राम कहि छुटयौ	3. पठित अंश को लय, गति, ताल से पहुचना और भाव को समझना	रसास्वादन विधि	योगेन्द्र सिंह प्रकाशक
		मूल्यांकन		

Unit (ईकाई)	Teaching Description (शिक्षण बिन्दु)	Learning objective (शिक्षण उद्येश्य)	Teaching Method (शिक्षण विधि)	Reference books (सन्दर्भ पुस्तकें)
5. नानक (नानकवाणी अमृतसर)	1. नानक का परिचय	1. बालिकाओं को नानक का परिचय देना	व्याख्यान विधि	नानक अमृतवाणी
	2. नानक के काव्य का परिचय देना	2.नानक के काव्य का परिचय देना	रसास्वादन विधि	नानक अमृतवाणी
	3. मन रे प्रभु............ .... बढाई देई	3. पठित अंश को लय, गति, ताल से वाचन करना तथा भाव को बच्चों को पहुचाना।	प्रश्नोत्तर विधि	नानक अमृतवाणी
		मूल्यांकन		

Unit (ईकाई)	Teaching Description (शिक्षण बिन्दु)	Learning objective (शिक्षण उद्येश्य)	Teaching Method (शिक्षण विधि)	Reference books (सन्दर्भ पुस्तकें)
6. संत कवि दादू	1. कवि दादू का परिचय	1. बालिकाओं को दादू का परिचय बताया	व्याख्यान विधि	संत कवि दादू और उनका पंथ डॉ. बासुदेव भार्मा प्रकाशक शोध प्रबन्ध प्रकाशन
	2. दादू के साहित्य का परिचय	दादू के साहित्य का परिचय बालिकाओं को दिया	रसास्वाद विधि	संत कवि दादू और उनका पंथ डॉ. बासुदेव भार्मा प्रकाशक शोध प्रबन्ध प्रकाशन
	3. नीके राम कहत............ ....सिरोमणि राई	दादू के पद्य का वाचन कर बालिकाओं को दादू के भाव की प्रेरणा को समझना तथा बच्चों को समझना तथा भाव की प्रेरणा देना।	प्रश्नोत्तर विधि	संत कवि दादू और उनका पंथ डॉ. बासुदेव भार्मा प्रकाशक शोध प्रबन्ध प्रकाशन
		मूल्यांकन		

प्राचार्य
...विवेकानन्द महिला महाविद्यालय
...(अजमेर) राज.

Unit (ईकाई)	Teaching Description (शिक्षण बिन्दु)	Learning objective (शिक्षण उद्येश्य)	Teaching Method (शिक्षण विधि)	Reference books (सन्दर्भ पुस्तकें)
7. संत कवि रज्जब	1.रज्जब का परिचय	बालिकाओं को रज्जब का परिचय देकर रज्जब के काव्य का परिचय बालिकाओं को देना		
	2. रज्जब के काव्य का परिचय	बालिकाओं को रज्जब का परिचय देकर रज्जब के काव्य का परिचय बालिकाओं को देना		
		मूल्यांकन		

Unit (ईकाई)	Teaching Description (शिक्षण बिन्दु)	Learning objective (शिक्षण उद्येश्य)	Teaching Method (शिक्षण विधि)	Reference books (सन्दर्भ पुस्तकें)
8. जायसी	1. जायसी का परिचय	बालिकाओं को जायसी का परिचय दिया था पदमावत का परिचय दिया।	व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि	जायसी ग्रंथावली आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी
	2. पदमावत काव्य का परिचय (15) छन्द	बालिकाओं को जायसी का परिचय दिया था पदमावत का परिचय दिया।	व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि	जायसी ग्रंथावली आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी
	नागमती वियोग खण्ड 4 छंद	पद्य को गाकर भावा बच्चों को समझाया छन्छ/अलंकार/व्याकरण का ज्ञान करवाया।	व्याकरण विधि प्रश्नोत्तर विधि रसास्वाद विधि	जायसी ग्रंथावली आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी
	नागमती वियोग खण्ड 4 छंद	पद्य को गाकर भावा बच्चों को समझाया छन्छ/अलंकार/व्याकरण का ज्ञान करवाया।	व्याकरण विधि प्रश्नोत्तर विधि रसास्वाद विधि	जायसी ग्रंथावली आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी
	नागमती वियोग खण्ड 3 छंद	पद्य को गाकर भावा बच्चों को समझाया छन्छ/अलंकार/व्याकरण का ज्ञान करवाया।	व्याकरण विधि प्रश्नोत्तर विधि [illegible] विधि	जायसी ग्रंथावली आचार्य रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी
		मूल्यांकन		

प्राचार्य
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय
रूपनगढ़ (अजमेर) राज.

Unit (ईकाई)	Teaching Description (शिक्षण बिन्दु)	Learning objective (शिक्षण उद्देश्य)	Teaching Method (शिक्षण विधि)	Reference books (सन्दर्भ पुस्तकें)
9. सूरदास	1. सूरदास का पिरचय	बालिकाओं को सुरदास का पिरचय दिया तथा पदमावत का परिचय दिया।	व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि	सूर–सागर नागर प्रचारिणी सभा वाराणसी
	2. सुर सागर का परिचय	बालिकाओं को सुरदास का पिरचय दिया तथा पदमावत का परिचय दिया।	व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि	सूर–सागर नागर प्रचारिणी सभा वाराणसी
	3. वात्सल्य के पद्य	पद्य को गाकर भाव बच्चों को समझाया छन्छ/अलंकार/व्याकरण	व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि	सूर–सागर नागर प्रचारिणी सभा वाराणसी
	गोपी प्रेम के पद्य	पद्य को गाकर भाव बच्चों को समझाया छन्छ/अलंकार/व्याकरण	व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि	सूर–सागर नागर प्रचारिणी सभा वाराणसी
	गोपी विरह के पद्य	पद्य को गाकर भाव बच्चों को समझाया छन्छ/अलंकार/व्याकरण	व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि	सूर–सागर नागर प्रचारिणी सभा वाराणसी
	सूर सागर 20 पद्य	पद्य को गाकर भाव बच्चों को समझाया छन्छ/अलंकार/व्याकरण	व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि	सूर–सागर नागर प्रचारिणी सभा वाराणसी

प्राचार्य
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय
रूपनगढ़ (अजमेर) राज.

Unit (ईकाई)	Teaching Description (शिक्षण बिन्दु)	Learning objective (शिक्षण उद्येश्य)	Teaching Method (शिक्षण विधि)	Reference books (सन्दर्भ पुस्तकें)
10. तुलसी	1. तुलसी का परिचय	बालिकाओं को तुलसी के जीवन परिचय से अवगत कराना	व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि	गीता प्रेस गोरखपुर
	2. रामचरित मानस का परिचय	बालिकाओं को तुलसी के जीवन परिचय से अवगत कराना	व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि	गीता प्रेस गोरखपुर
	3. वाटिका प्रसंग का परिचय	रामचरितमानस के दोहो का लय, गति, ताल से आदर्शवाचन कर भाव को छात्राओं को समझाना, व्याकरण ज्ञान को भी बच्चों को समझाना	अनुकर विधि	गीता प्रेस गोरखपुर
	2. वाटिका प्रसंग पर रचित पद्य	रामचरितमानस के दोहो का लय, गति, ताल से आदर्शवाचन कर भाव को छात्राओं को समझाना, व्याकरण ज्ञान को भी बच्चों को समझाना	व्याकरण विधि	गीता प्रेस गोरखपुर
	3. विनय पत्रिका में रचित पद्य	रामचरितमानस के दोहो का लय, गति, ताल से आदर्शवाचन कर भाव को छात्राओं को समझाना, व्याकरण ज्ञान को भी बच्चों को समझाना		

प्राचार्य
स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय
रूपनगढ़ (अजमेर) राज.

Unit (इकाई)	Teaching Description (शिक्षण बिन्दु)	Learning objective (शिक्षण उद्देश्य)	Teaching Method (शिक्षण विधि)	Reference books (सन्दर्भ पुस्तकें)
११. मीरा	मीरा का परिचय	बालिकाओं को मीरा के जीवन का परिचय करवाना।	व्याख्यान विधि	शम्भु सिंह मनोहर के प्रामाणिक 25 पद
	मीरा पदावली का परिचय (25 पद)	मीरा के काव्य के भाव-पक्ष व कला पक्ष का ज्ञान छात्रों को करवाना	प्रश्नोत्तर विधि व्याख्यान विधि	शम्भु सिंह मनोहर के प्रामाणिक 25 पद
	मीरा पदावली के 3 पद की व्याख्या	मीरा के पद के भाव पक्ष को बालिकाओं तक पहुँचाना तथा कला पक्ष का भी ज्ञान करवाना, व्याकरण का ज्ञान देना	प्रश्नोत्तर विधि व्याख्यान विधि	शम्भु सिंह मनोहर के प्रामाणिक 25 पद
	मीरा पदावली के 3 पद	मीरा के पद के भाव पक्ष को बालिकाओं तक पहुँचाना तथा कला पक्ष का भी ज्ञान करवाना, व्याकरण का ज्ञान देना	प्रश्नोत्तर विधि व्याख्यान विधि	शम्भु सिंह मनोहर के प्रामाणिक 25 पद
	मीरा पदावली के 3 पद	मीरा के पद के भाव पक्ष को बालिकाओं तक पहुँचाना तथा कला पक्ष का भी ज्ञान करवाना, व्याकरण का ज्ञान देना	प्रश्नोत्तर विधि व्याख्यान विधि	शम्भु सिंह मनोहर के प्रामाणिक 25 पद

Unit (इकाई)	Teaching Description (शिक्षण बिन्दु)	Learning objective (शिक्षण उद्येश्य)	Teaching Method (शिक्षण विधि)	Reference books (सन्दर्भ पुस्तकें)
12. रसखान	1. रसखान का परिचय	बालिकाओं को रसखान का परिचय दिया	व्याख्यान विधि प्रश्नोत्तर विधि	रसखान ग्रन्थावली संपादन देश राज सिंह भाटी अशोक प्रकाशन
	2. रसखान ग्रंथावली का परिचय	रसखान ग्रन्थावली का परिचय	आगमन/निगमन विधि व्याकरण विधि	
	3. रसखान ग्रंथावली के भक्ति के पद्य	काव्य पक्ष/भाव पक्ष का परिचय	अनुकरण विधि व्याकरण विधि	
	4. रसखान ग्रंथावली के भक्ति के पद्य	रसखान के पद्य में भक्ति भावना का ज्ञान करवाना	व्याख्यान विधि	
	5. रसखान ग्रंथावली के भक्ति के पद्य	रसखान के पद्य में नीति भावना का ज्ञान करवाना		
	6. रसखान ग्रंथावली के भक्ति के पद्य	रसखान के पद्य में लौकिक/अलौकिक ब्रहम रूप का ज्ञान		